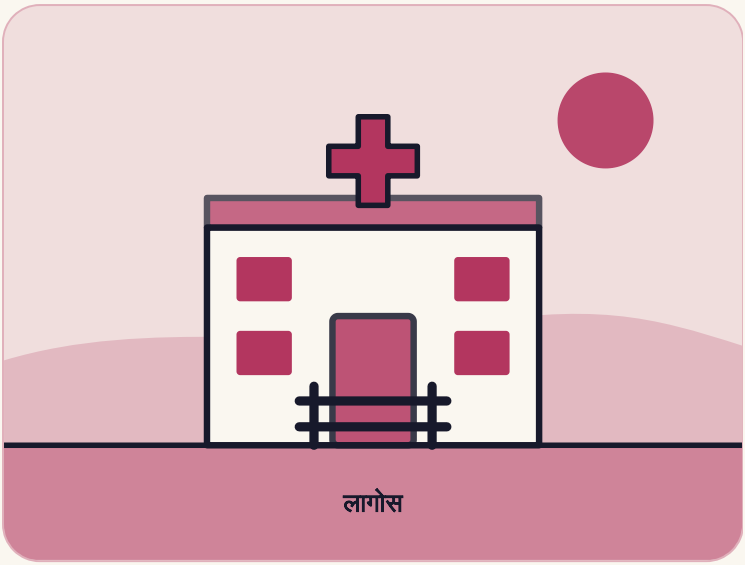

नाइजीरिया

वह डॉक्टर जिसने दरवाज़ा खोलने से इनकार किया

2014 में लागोस की एक डॉक्टर ने भारी दबाव के बावजूद एक बीमार यात्री को अस्पताल में रोके रखा। इसने नाइजीरिया में इबोला रोकने में मदद की।

कहाँ लागोस

कौन डॉ. अमेयो स्टेला अदादेवो, लागोस की एक डॉक्टर, जिन्होंने नाइजीरिया में इबोला रोकने में मदद की

कब 2014

4 मिनट में पढ़ें

कहानी

जुलाई 2014 में पश्चिम अफ़्रीका में इबोला तेज़ी से फैल रहा था। नाइजीरिया, अफ़्रीका का सबसे ज़्यादा आबादी वाला देश, में कभी कोई मामला नहीं आया था। तभी लाइबेरिया से आया एक बहुत बीमार यात्री अफ़्रीका के सबसे बड़े शहर लागोस के हवाई अड्डे पर गिर पड़ा। उसे फ़र्स्ट कंसल्टेंट हॉस्पिटल ले जाया गया।

डॉ. अमेयो अदादेवो वहाँ की एक वरिष्ठ डॉक्टर थीं। उन्हें चिकित्सा में 30 साल से ज़्यादा हो चुके थे। 2012 में वे स्वाइन फ़्लू के बारे में नाइजीरिया के अधिकारियों को सबसे पहले चेताने वाली थीं। शुरू में स्टाफ़ ने उसका इलाज मलेरिया का मानकर किया। वह और बिगड़ गया। अदादेवो को इबोला का शक होने लगा, एक जानलेवा वायरस जो शरीर के तरल पदार्थों से फैलता है। अस्पताल में किसी ने कभी ऐसा कोई मामला नहीं देखा था।

मरीज़ ने कहा कि वह इबोला वाले किसी के पास नहीं गया था। उसने जाने की ज़िद की। लाइबेरिया के राजदूत ने अस्पताल को फ़ोन किया और क़ानूनी कार्रवाई की धमकी दी। अदादेवो ने उसे जाने नहीं दिया।

अडिग रहना

उन्होंने जाँच का आदेश दिया और उसे उसके कमरे में रखा। स्टाफ़ के पास सुरक्षा के सामान कम थे। उन्होंने उसके दरवाज़े के बाहर एक आड़ खड़ी की। उस समय हड़ताल की वजह से लागोस के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर कम थे। 21 मिलियन आबादी वाले शहर में एक खुला घूमता वायरस तबाही बन सकता था।

जाँच पॉज़िटिव आई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने जल्दी ही 898 ऐसे लोगों का पता लगाया जिन्हें ख़तरा हो सकता था। मरीज़ की 25 जुलाई को मौत हो गई।

> व्यापक जनहित के लिए।
>
> डॉ. अमेयो अदादेवो, मरीज़ को न छोड़ने की वजह पर, Wikipedia के मुताबिक़

898

पहले मामले के बाद पता लगाए गए लोग

19

नाइजीरिया में संक्रमित लोग, ज़्यादातर स्वास्थ्यकर्मी

42

नाइजीरिया को मुक्त घोषित करने से पहले बिना नए मामलों के दिन

एक क़ीमत चुकाई गई

जो कर्मचारी मरीज़ के पास रहे थे, उन्होंने 21 दिन तक अपना तापमान जाँचा। एक ख़ाली इमारत छोटी क्वारंटीन इकाई बन गई। जब कर्मचारी बीमार पड़े, तो उन्होंने अधिकारियों को बताया और अंदर चले गए।

अदादेवो को ख़ुद इबोला हो गया। 4 अगस्त को वे पॉज़िटिव निकलीं। 19 अगस्त 2014 को 57 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

अंत में नाइजीरिया में 19 लोग संक्रमित हुए, और सात की मौत हुई, CBC बताता है। 20 अक्टूबर 2014 को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि नाइजीरिया इबोला से मुक्त है। पास के गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन में हज़ारों की मौत हुई।

कब क्या हुआ

- **2012** अदादेवो स्वाइन फ़्लू (H1N1) के बारे में नाइजीरिया के अधिकारियों को सबसे पहले चेताती हैं।
- **जुल** इबोला वाला एक यात्री लागोस पहुँचता है। वे उसे अस्पताल में रोके रखती हैं।
- **अग** उन्हें इबोला हो जाता है और 19 अगस्त को उनका निधन होता है।
- **अक्टू** विश्व स्वास्थ्य संगठन 20 अक्टूबर को नाइजीरिया को इबोला से मुक्त घोषित करता है।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

देश ने इबोला पहले कभी नहीं देखा था। उन्होंने अपने अनुमान पर भरोसा किया और फिर भी जाँच कराई।

वे अनेक में से एक थीं। संपर्क खोजने वालों और ख़ुद क्वारंटीन होने वाले स्टाफ़ ने भी फ़र्क़ डाला।

हमारी राय

एक डॉक्टर के दरवाज़ा न खोलने से पूरे शहर को तैयारी का वक़्त मिला।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 अपने अंदेशे को जाँचिए

उन्होंने अपने अनुभव पर भरोसा किया, फिर जाँच का आदेश दिया।

यह आज़माएँ: जब लगे कि कुछ ग़लत है, तो उसे जाँचने का कोई सरल तरीक़ा ढूँढिए।

2 दबाव में अडिग रहिए

एक राजदूत ने क़ानूनी कार्रवाई की धमकी दी। फिर भी उन्होंने मरीज़ को नहीं छोड़ा।

यह आज़माएँ: कोई एक फ़ैसला लिखिए जिस पर आपको अडिग रहना है। वजह भी लिखिए।

3 पहले दूसरों को बचाइए

जो कर्मचारी संपर्क में आए थे, उन्होंने अधिकारियों को बताया और क्वारंटीन में गए।

यह आज़माएँ: अगर आपसे ग़लती से किसी को नुक़सान पहुँच सकता है, तो उसे जल्दी बता दीजिए।

4 जो पास है उससे शुरू कीजिए

उनके पास सुरक्षा का सामान कम था, इसलिए उन्होंने आड़ बनाई और शुरू कर दिया।

यह आज़माएँ: आज जो आपके पास पहले से है, उसी से पहला काम का क़दम उठाइए।

साथ ले जाने वाली एक बात

कभी-कभी हिम्मत बस दरवाज़ा बंद रखना होती है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

CBC
Health-care workers and everyday heroism: A case study in curbing disease (2020)

Face2face Africa
Meet the woman who risked her life to save Nigeria from an Ebola epidemic in 2014 (2018)

Wikipedia
Ameyo Adadevoh

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं और ब्योरों में अलग हैं। यात्री: CBC उसे अमेरिकी-लाइबेरियाई वकील कहता है; Face2face Africa उसे लाइबेरियाई सरकारी कर्मचारी कहता है; कहानी सिर्फ़ "लाइबेरिया से आया एक बहुत बीमार यात्री" कहती है और उसका नाम नहीं लेती। मरीज़ 20 जुलाई 2014 को पहुँचा और 25 जुलाई को उसकी मौत हुई (CBC)। अदादेवो की

भूमिका: CBC उन्हें अस्पताल की मुख्य चिकित्सक कहता है; Wikipedia उन्हें प्रमुख परामर्शदाता चिकित्सक और अंतःस्रावी रोग विशेषज्ञ कहता है और कहता है कि उन्होंने अस्पताल में 21 साल काम किया; कहानी “एक वरिष्ठ डॉक्टर” कहती है। चिकित्सा में 30 साल से ज़्यादा और 2012 की स्वाइन फ़्लू (H1N1) की चेतावनी CBC से हैं; Wikipedia भी चेतावनी दर्ज करता है। अस्पताल में किसी ने पहले इबोला नहीं देखा था, यह CBC से है। वे कितनी अडिग थीं: CBC कहता है कि लाइबेरिया के राजदूत ने अस्पताल पर अपहरण का आरोप लगाया और क़ानूनी कार्रवाई की धमकी दी, और वे अडिग रहीं; Wikipedia उसके दरवाज़े के बाहर लकड़ी की आड़ जोड़ता है और उनकी वजह के तौर पर “व्यापक जनहित के लिए” उद्धृत करता है, किसी और स्रोत का हवाला देकर; कहानी उस वाक्यांश को छोटे उद्धरण के रूप में इस्तेमाल करती है और उसका श्रेय Wikipedia को देती है। डॉक्टरों की हड़ताल और लागोस का आकार (21 मिलियन) CBC से हैं। 898 लोगों का संपर्क-अनुसंधान, 21 दिन की तापमान-जाँच और क्वारंटीन इकाई CBC से हैं। उनकी अपनी बीमारी: 4 अगस्त को पॉज़िटिव (Wikipedia); 19 अगस्त 2014 को 57 साल की उम्र में निधन (Wikipedia, CBC, Face2face Africa)। कुल मामले: CBC कहता है कि 19 लोग संक्रमित हुए, ज़्यादातर स्वास्थ्यकर्मी, और सात की मौत हुई; Face2face Africa कहता है कि सात मौतें दर्ज हुईं; दूसरी रिपोर्टें 20 मामले और आठ मौतें बताती हैं, जिनमें पहला मरीज़ शामिल है; कहानी CBC के 19 और सात लेती है। “अफ़्रीका का सबसे ज़्यादा आबादी वाला देश” Face2face Africa से है। नाइजीरिया को 42 दिन बिना नए मामलों के बाद 20 अक्टूबर 2014 को इबोला से मुक्त घोषित किया गया (CBC; तारीख़ Wikipedia और Face2face Africa भी देते हैं)। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अपना पन्ना खुल नहीं सका। गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन में “हज़ारों की मौत” CBC से है। नक़्शे का निशान लागोस दिखाता है। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।